मासिक ई-समाचार पत्रिका

# डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, (समस्तीपुर) बिहार-848125

## कुलपति महोदय का संदेश

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि विश्वविद्यालय में नियमित निदेशक अनुसंधान एवं नियंत्रक, के शामिल होने से विश्वविद्यालय प्रशासन और सुदृढ़ हुआ है। विभिन्न विषयों में विषय वस्तु विशेषज्ञ (एस. एम. एस.) की नियुक्ति कर विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों को भी सुदृढ़ किया गया है । मुझे आशा है कि ऊर्जावान युवाओं का यह नव नियुक्त समूह बिल्कुल पेशेवर तरीके से विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीन प्रौद्योगिकियों को किसानों के बीच वितरित करेंगे तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों की प्रसार गतिविधियों को एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभी नवनियुक्त वैज्ञानिक/अधिकारी विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास में अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे ।

इसके अलावा, विश्वविद्यालय अस्पताल को दंत चिकित्सा से सम्बंधित अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण किया गया है । मुझे दृढ़ विश्वास है कि समृद्ध जनशक्ति और सुविधाएं विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रसार, प्रशासन एवं कर्मचारियों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेंगी ।

## कुलपति महोदय की संलग्नता

- दिनांक 04.04.2022 को एन.ई.पी. 2020 (पूर्वी क्षेत्र) के कार्यान्वयन पर राज्यवार बैठक में वर्चुअल मोड में भाग लिया ।
- दिनांक 04.04.2022 को विद्यापति सभागार में सी.ए.ई.टी पूसा के एफ.एम.पी.ई विभाग द्वारा आयोजित 'फार्म मशीनीकरण पर प्रश्नोत्तरी, स्लोगन और गीत प्रतियोगिता' के आयोजन को संबोधित किया ।
- दिनांक 05.04.2022 को विश्वविद्यालय अस्पताल में डिजिटल एक्स-रे और दंत चिकित्सा सुविधाओं का उद्घाटन किया ।
- दिनांक 05.04.2022 को डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि.,पूसा के राजेंद्र एग्री टेक एंड सर्विसेज प्रा. लिमिटेड पूसा के निदेशक मंडल और प्रबंधकों की बैठक की अध्यक्षता की ।
- दिनांक 06.04.2022 को केरल यूनिवर्सिटी ऑफ फिशरीज एंड ओशियन स्टडीज, पनागड, कोच्चि द्वारा आयोजित विचार-मंथन सत्र में एन. ई. पी के कार्यान्वयन में "चिंताएं और तैयारी" विषय पर एक ऑनलाइन भाषण दिया ।
- डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. , पूसा के पंचतंत्र सभागार में दिनांक 06.04.2022 को विंटर स्कूल में "फसल अवधि प्रणाली में बदलाव: जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का मुकाबला करने हेतु एक नया दृष्टिकोण" विषय पर व्याख्यान दिया ।
- दिनांक 06.04.2022 को आई.ए.यु.ए की कार्यकारी समिति की बैठक (ईसीएम 1/2022) में वर्चुअल मोड में भाग लिया ।
- दिनांक 07.04.2022 को टी. सी.ए, ढोली में फील्ड विजिट (सिलेज मक्का) में भाग लिया ।
- दिनांक 09.04.2022 को कृषि विज्ञान केंद्र मधुबनी में कृषि और स्वास्थ्य अमृत महोत्सव और मेगा कृषि एक्सपो, 2022 में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया ।
- दिनांक 12-13 अप्रैल 2022 के दौरान नेस्क कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में कृषि विश्वविद्यालयों के भा. कृ. अनु. प. के वार्षिक कुलपतियों के सम्मेलन में भाग लिया ।
- दिनांक 15-17 अप्रैल 2022 के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी, मोतिहारी में पशु आरोग्य मेले में भाग लिया।
- दिनांक 19.04.2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से परम्परागत कृषि विकास योजना (पी. के. वी. वाई.) की राज्य स्तरीय कार्यसमिति की बैठक में भाग लिया ।
- दिनांक 27.04.2022 को विश्वविद्यालय के पंचतंत्र सभागार में कृषि विज्ञान केंद्र के नवनियुक्त एस. एम. एस. के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
- दिनांक 29.04.2022 को" भा. कृ. अनु. प. -केन्द्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर द्वारा आयोजित "किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी " कार्यक्रम के तहत किसान परिचर्चा में भाग लिया ।
- दिनांक 30.04.2022 को जस्ट एग्रीकल्चर पत्रिका और ए.ई.ई.ऍफ़.डब्लू.एस, सोसाइटी, पंजाब द्वारा " एग्रिकल्चर 3.0 - ए फ्यूचरिस्टिक अप्रोच टूवर्ड्स स्मार्ट एग्रिकल्चर एण्ड ससटेनेबल अर्बन फार्मिंग" विषय पर आयोजित 21 दिनों के अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला कार्यक्रम में वर्चुअल मोड में व्याख्यान दिया ।

खंड -3, अंक -5
मई, 2022

संरक्षक :
डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

संकलन एवं संपादन :
डॉ. (राकेश मणि शर्मा,
पी. कु. प्रणव,
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कु.पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी)

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

मुद्रण:
प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क: www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

## शिक्षा और शैक्षिक गतिविधियां

### ➢ जलवायु परिवर्तन पर उन्नत अध्ययन केंद्र द्वारा 21 दिवसीय भा. कृ. अनु. प. प्रायोजित विंटर स्कूल और सीआरए प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि, पूसा अवस्थित जलवायु परिवर्तन पर उन्नत अध्ययन केंद्र (सीएएससीसी) ने ""सतत उत्पादन हेतु जलवायु अनुकूल कृषि" विषय पर भा. कृ. अनु. प. प्रायोजित 21 दिवसीय विन्टर स्कूल का आयोजन दिनांक 28 मार्च से 17 अप्रैल, 2022 तक किया जिसमे देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के 23 वैज्ञानिकों ने भाग लिया । साथ ही, 55 वैज्ञानिकों और सी. आर. ए (जलवायु अनुकूल कृषि) कार्यक्रम से जुड़े परियोजना कर्मचारियों के लिए "जलवायु स्मार्ट प्रौद्योगिकियों के माध्यम से फसल उत्पादन बढ़ाना" विषय पर एक और 21 दिवसीय क्षमता निर्माण संबंधित कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया । भारत और विदेशों के प्रसिद्ध शिक्षाविदों ने उत्साहपूर्वक व्यक्तिपरक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया । प्रशिक्षकों और प्रशिक्षुओं के लिए दोनों कार्यक्रम बहुत सफल और अत्यधिक प्रभावी रहा ।

### ➢ प्रश्नोत्तरी, स्लोगन व गीत प्रतियोगिता का आयोजन

कृषि अभियंत्रण एवं तकनीकी महाविद्यालय, पूसा द्वारा डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि, पूसा के सभी छात्रों के लिए "राष्ट्रीय कृषि यंत्रीकरण अभियान" के तहत 'फार्म मशीनीकरण' विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आर्योजन दिनांक 4 अप्रैल 2022 को किया गया . विश्वविद्यालय के छात्रों से कृषि यंत्रीकरण की थीम पर गीत और स्लोगन आमंत्रित किए गए थे और सर्वश्रेष्ठ दो गीतों और तीन स्लोगनों को डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, द्वारा सम्मानित किया गया । उक्त कार्यक्रम में डॉ. आर.सी श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, डॉ. एम.एन. झा, निदेशक शिक्षा, डॉ. एस.आर. चौधरी, अधिष्ठाता, आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय और डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण एवं तकनीकी महाविद्यालय, पूसा उपस्थित रहे।

➢ दिनांक 05/04/2022 से 21/04/2022 तक"फिश हैचरी असिस्टेंट (ऍफ़ एच ए)" पर सर्टिफिकेट कोर्स की मध्यावधि परीक्षाएँ सफलतापूर्वक आयोजित की गई ।

## अनुसंधान गतिविधियां

### ➢ तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में फील्ड दिवस का आयोजन

दिनांक 07.04.2022 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में मध्य भारत-गंगा के मैदानों में सिंचाई विधियों, नाइट्रोजन प्रबंधन और फेनोटाइपिंग के माध्यम से सिलेज मक्का के बायोमास को बढ़ाने" पर एक फील्ड दिवस का आयोजन किया गया जिसमें माननीय कुलपति, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि, पूसा सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता और निदेशकगण उपस्थित रहे । साथ हीं पी.आई. और संबद्ध वैज्ञानिक भी उपस्थित थ रहे ।

➢ दिनांक 15-17 अप्रैल, 2022 के दौरान पिपराकोठी, मोतिहारी में आयोजित किसान उन्नति मेले में रा. प्र. के. कृ. वि, पूसा की विभिन्न इकाइयों ने भाग लिया और नवीन प्रौद्योगिकी तथा उनकी फसलों से संबंधित उत्पाद का प्रदर्शन भी किया ।

➢ अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली की अध्यक्षता में दिनांक 04.04.2022 को फसल समूह की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में संबंधित अ. भा. स. अनु. परि के वैज्ञानिकों ने खरीफ 2022 के अपने मुख्य शोध पर प्रकाश डाला।

➢ मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली के सभी वैज्ञानिकों ने . रा. प्र. के. कृ. वि, पूसा में दिनांक 20/04/2022 को आयोजित पूर्व-अनुसंधान परिषद की बैठक में भाग लिया और अपनी शोध परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।.

➢ दिनांक 22.04.2022 से 28.04.2022 के दौरान मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में 'ग्लास एक्वेरिया के निर्माण, स्थापना और रखरखाव' पर सात दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन चतुर्थ वर्ष के छात्रों (बैच: 2018-2022) के लिए किया गया । इस प्रशिक्षण के रिसोर्स पर्सन डॉ. एस.जी.एस. जैदी, सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक,आई.सी. ए.आर.-डी. सी.एफ.आर, भीमताल, रहे जिनके पास एक्वैरियम निर्माण एवं स्थापना सहित विभिन्न सजावटी मछलियों की सजावट और प्रजनन के क्षेत्र में 30 वर्षों से भी अधिक का कार्य अनुभव है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को एक्वैरियम निर्माण, सेटिंग और रखरखाव के बारे में आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें प्रशिक्षण देकर उनके उद्यमशीलता कौशल को बढ़ाना था ।

### ➢ कृषि मशीनीकरण पर राष्ट्रीय अभियान

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा एफ. आई. एम पर देवपार, पूसा में दिनांक 01/04/2022 को कृषि मशीनीकरण पर राष्ट्रीय अभियान के तहत सुपर सीडर के प्रदर्शन पर एक फील्ड दिवस का आयोजन किया गया जहां लगभग आसपास के गांवों के 70 किसान शामिल हुए। अधिष्ठाता, सी. ए. ई. टी और हेड एफ. एम. पीई सभा को संबोधित किया और सुपर सीडर के लाभों पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, पूसा के सिमरी गोपाल गांव में चौपाल का आयोजन किया गया जहां विभागाध्यक्ष और अन्य वैज्ञानिकों द्वारा कृषि मशीनीकरण के महत्व पर लगभग 60 किसानों को शिक्षित किया गया ।

➢ **बीज उत्पादन के लिए ऑन-फार्म प्रशिक्षण आयोजित किया गया**

इस माह के दौरान आगामी खरीफ-22 के लिए बीज उत्पादन हेतु ऑन-फार्म प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । RRH-1, RRH-2 और DRRH-2 के बीज लगभग 1200m2 (1/3 एकड़) में नर मादा पंक्ति अनुपात 5:1 के साथ 6 किसान के खेतों में तथा RRH-1 (राजेंद्र 1A x RRR-2) को कृषि विज्ञान केंद्र तुर्की में 1 एकड़ कृषि भूमि में उत्पादित किया गया ।

## प्रसार गतिविधियां

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र परसौनी ने दिनांक 26/4/2022** को आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत किसान मेला का आयोजन किया। कृषि विज्ञान केंद्र, परसौनी और कृषि विज्ञान केंद्र, वैशाली के वरिष्ठ एसएमएस के साथ वैज्ञानिक और फार्म मैनेजर, कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी ने ADHO मोतिहारी द्वारा आयोजित कार्यक्रम "किसान भागीदारी प्रथमिकता हमारी में भाग लिया थे । कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री, श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी द्वारा किया गया । उक्त अवसर पर श्री राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, भा.कृ.अनु.प. गवर्निंग के सदस्य निकाय, प्रगतिशील किसान, आत्मा मे कार्यरत कई प्रखंडों के कर्मचारी और कृषि विज्ञान केंद्र परसौनी के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया । जिला अधिकारी, मोतिहारी और वैशाली के डी. ए. ओ भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए । साथ हीं इसमें कुल 341 किसानों और कृषक महिलाओं ने भाग लिया ।

➢ **दिनांक 08/04/2022 को कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की** ने गेहूँ कि किस्म डीबीडब्ल्यू 187 और एचडी 2967 पर क्षेत्र दिवस सह किसान गोष्ठी का आयोजन किया जिसमे मुख्य अतिथि डॉ. एम.एस. कुंडू, निदेशक, प्रसार शिक्षा, पूसा, की उपस्थिति में डॉ. एस.पी. पूनिया, सीमिट, डॉ. पंकज कुमार सीमिट और डॉ. के के सिंह ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम मे सकरी गांव बांद्रा प्रखंड के लगभग 123 किसानों और कृषक महिलाओं ने भाग लिया ।

➢ **आजादी का अमृत महोत्सव-किसान मेला का आयोजन** - दिनांक 26/4/2022 को कृषि विज्ञान केंद्र तुर्की में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत "किसान भागीदारी प्राथमिका हमारी" कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे 'प्राकृतिक खेती :किसान और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके महत्व' विषय पर मुख्य अतिथि डॉ. ए. के सिंह, अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली और डॉ. पुष्पा सिंह सीनियर साइंटिस्ट एंड हेड ने संबोधित किया । इस आयोजन में 333 किसानों और कृषक महिलाओं ने भाग लिया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की में किसान गोष्ठी सह एकीकृत जैविक खेती पर का आयोजन**- दिनांक 29/4/2022 को मुख्य अतिथि माननीय केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री, श्री कैलाश चौधरी जी की उपस्थिति में, डी. डी. सी. आशुतोष दिवेदी, डी. ए. ओ, डी. डी. एम नाबार्ड और डी. एच. ओ डी. डी. एम कार्यालय मुजफ्फरपुर में कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की में किसान गोष्ठी सह एकीकृत जैविक खेती पर का आयोजन किया गया। कृषि मंत्री ने कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की और किसानों के लिए सरकार कि योजनाओं के बारे में चर्चा की।

➢ **विश्व स्वास्थ्य दिवस** - इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस "हमारा ग्रह-हमारा स्वास्थ्य" के विषय पर मानव के बीच अच्छे स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता के लिए दिनांक 07.04.2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम मे कुल 63 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली ग्राम** दादरी धनराज में केले के पत्ते और फलों के दाग वाले भृंग के प्रबंधन के लिए केले के गुच्छे के कवर के उपयोग पर एफएलडी के केले के गुच्छे के आवरण के उपयोग पर किसान गोष्ठी सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया कार्यक्रम में केले के गुच्छे के उपयोग पर प्रदर्शन लगाई गई जिसमे कुल 69 प्रतिभागियों ने भाग लिया। । .

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली ने दिनांक** 26.04.2022 को "किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी" विषय पर किसान मेला का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 315 किसानों और कृषक महिलाओं ने भाग लिया। श्री महेश्वर हजारी जी, माननीय उपाध्यक्ष, बिहार विधान सभा इस अवसर पर उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया।

➢ **किसान मेला-सह-कृषि प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी**

कृषि विज्ञान केंद्र, नरकटियागंज ने दिनांक 26 अप्रैल, 2022 को "किसान भागीदारी-प्राथमिकता हमारी अभियान" के अंतर्गत किसान कल्याण कार्यक्रम "आजादी का अमृत महोत्सव" किसान मेला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय सांसद, श्री सतीश चंद्र दुबे ने किया। उन्होंने प्राकृतिक और जैविक खेती के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने प्राकृतिक और जैविक खेती को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किया और भूख-मुक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए कृषक समुदाय के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ आर. पी सिंह ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और पोषण सुरक्षा के लिए घरों में प्राकृतिक खेती, जैविक खेती, एकीकृत कृषि प्रणाली और पोषक तत्वों से भरपूर थाली के लिए बाजरा की खेती के महत्व के बारे में चर्चा की। उक्त कार्यक्रम में 340 किसानों ने भाग लिया।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, नरकटियागंज** ने लेजर लैंड लेवलर द्वारा प्रदर्शित "भूमि समतलीकरण अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम" का आयोजन कर लेजर लैंड लेवलर (एल. एल. एल) प्रदर्शन किया । विषय वस्तु विशेषज्ञ -फसल उत्पादन ने इसके लाभ, संचालन, रखरखाव एवं भंडारण के बारे में बताया और संचालन। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉ आर. पी. सिंह ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और भूमि समतलीकरण की आवश्यकता की बात की। श्री विकास कुमार सिंह, बीएचओ, नरकटियागंज, एलएलएल की कस्टम हायरिंग के लिए किसानों को प्रोत्साहित भी किए। श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह, माननीय कृषि मंत्री, बिहार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में और डॉ. एन. श्रवण कुमार, सचिव कृषि, बिहार सरकार ने भी किसानों को संबोधित किया। कार्यक्रम में कुल 40 किसानों ने भाग लिया ।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, सरैया, मुजफ्फरपुर** ने दिनांक 26 अप्रैल-2022 को - "किसान भागीदारी प्रथमिकता हमारी कार्यक्रम के अंतर्गत किसान मेला का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय विधायक, पारू, श्री अशोक सिंह ने किया । कार्यक्रम में पद्मश्री किसान चाची, निदेशक, चावल विकास निदेशालय, पटना की गरिमामयी उपस्थिति भी रही । मुजफ्फरपुर के 300 से अधिक किसानों ने किसान मेले की विभिन्न प्रदर्शनी मे भाग लिया ।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, सरैया, मुजफ्फरपुर मे जैविक खेती के महत्व पर जागरूकता अभियान** - दिनांक 22 अप्रैल 2022 को कृषि विज्ञान केंद्र, सरैया, मुजफ्फरपुर द्वारा प्रोजेक्ट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल सरैया में "जैविक खेती के महत्व" विषय पर ऑफ कैंपस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया । कृषि विज्ञान और मत्स्य पालन के विषय वस्तु विशेषज्ञ (एसएमएस), ने जैविक खाद का उपयोग एवं उसके फसलों मे लाभों के बारे में चर्चा किया । उन्होंने फलों और सब्जियों में रसायनों के प्रयोग से बचने का सलाह दिया । प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 छात्राओं की सक्रिय भागीदारी के साथ आयोजित किया गया।

- **सी. एस. आई. एस. ए परियोजना के तहत गेहूं की फसल पर क्षेत्र- दिवस का आयोजन** - दिनांक 8 अप्रैल, 2022 को कृषि विज्ञान केंद्र, सरैया और सिमिट द्वारा संयुक्त रूप से बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बांद्रा प्रखंड के साकरी चांदपुरा गांव में हाल ही में जारी DBW-187, HD-2767 और HD-2733 किस्मों के विभिन्न प्रकार के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए फसल काटने के प्रयोगों सहित "गेहूं पर क्षेत्र दिवस" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे निदेशक (प्रसार) डॉ. एम. एस. कुंडू, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि, पूसा, भा.कृ.अनु.स. - अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की अध्यक्ष एवं अन्य वैज्ञानिक सहित सिमिट और अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक और जिला कृषि पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर ने कार्यक्रम में 300 से अधिक किसानों के साथ भाग लिया।

## पुरस्कार, खेल एवं अन्य समाचार

- **माननीय कुलपति डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव** को "कृषि विकास, इसकी चुनौतियां और भविष्य" पर कृषि विज्ञान केंद्र, मधुबनी चानपुरा-बसैठ जिला-मधुबनी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार महामहिम राज्यपाल, सिक्किम श्री गया प्रसाद जी के द्वारा प्रदान किया गया ।

- **दिनांक 9-11 अप्रैल, 2022 को** एस.के. चौधरी एजुकेशनल ट्रस्ट, कृषि विज्ञान केंद्र, मधुबनी (बिहार) में डॉ. एम. एल. मीणा, वरिष्ठ वैज्ञानिक और अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की को"नवाचार उत्पादकता और प्राकृतिक कृषि विकास में इसकी चुनौतियां और भविष्य की आवश्यकताएं : " विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ प्रसार वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया गया" ।
- **दिनांक 6-7 मई, 2022 को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, कुआमारगंज**, (यूपी) अयोध्या में "पशु चिकित्सा आंतरिक और निवारक चिकित्सा का दूसरा वार्षिक सम्मेलन: वर्तमान स्थिति और भविष्य के प्रभाव" विषय पर आयोजित कार्यक्रम मे डॉ. प्रदीप कुमार राम को "श्री लाल बहादुर शास्त्री" सर्वश्रेष्ठ पी. एच.डी. थीसिस अवार्ड-2020 और बेस्ट ओरल पेपर प्रेजेंटेशन अवार्ड-2022 प्रदान किया गया ।

वैज्ञानिक हिंदी अनुवाद - गुप्तनाथ त्रिवेदी एवं डॉ. राकेश मणि शर्मा